پُمُوکی شِٹا (داردک) رِیاک
شنا کی پہلی کتاب
शिना भाषा प्रवेशिका
SHINA PRIMER

CIIL-NCERT Primer Series

ई–पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई–सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य–सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई–पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई–सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई–पाठशाला ePathshala के माध्यम से ई–सामग्री प्राप्त करें।

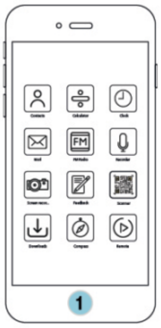

प्ले स्टोर से ई–पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें

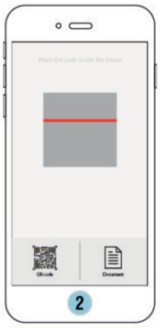

क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें

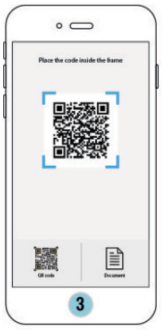

स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें

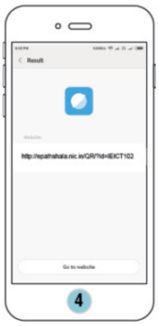

लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें

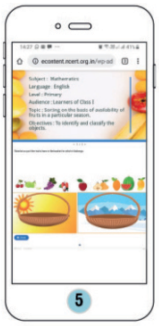

उपलब्ध ई–सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई–पाठशाला द्वारा ई–सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई–सामग्री प्राप्त करें।

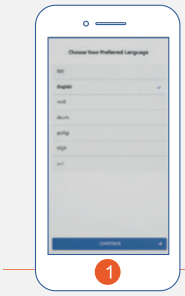

अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें

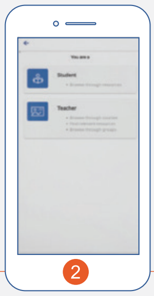

अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी

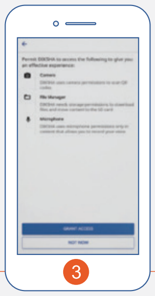

पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें

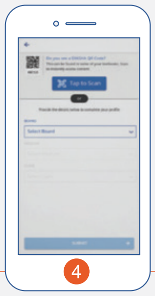

क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें

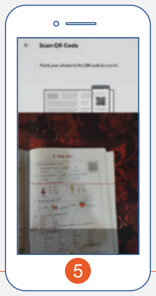

कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें

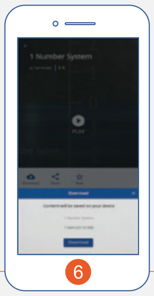

क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई–सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई–सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

“ जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।”

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

پُمُوکی شِٹّا (داردک) رِیاک

شنا کی پہلی کتاب

शिना भाषा प्रवेशिका

SHINA PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education,GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821-2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi-110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

پُمُوکی شِڻا (داردک) رِیاک
شنا کی پہلی کتاب
शिना भाषा प्रवेशिका
SHINA PRIMER

A basal reader of Shina alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors
Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Sujoy Sarkar
Hilal Ahmad Dar

ISBN: 978-81-973948-7-4

First Edition: July, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: G. Yuvaraj
Cover Photo: Mohd. Shafi, Mohd. Raza

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy

संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चो में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

124 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001
124 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110001
Telephone: +91-11-23382587, +91-11-23381104 Fax : +91-11-23387589
E-mail: secy.sel@nic.in

प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को '*बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति*' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मज़बूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित होंगे।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर्स) का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों; जैसे- बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

जुलाई 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका / Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilised efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

بھارت صدیوں سے ایک کثیر لسانی ملک رہا ہے ، جس میں ملک کے مختلف علاقوں میں بہت سی زبانیں بولی جاتی ہیں۔ ہمارے لسانی مجموعے میں متعدد زبانوں کا استعمال ملک کی ایک عام خصوصیت ہے۔ یہ ہمیں ایک دوسرے سے جوڑتا ہے اور ہمیں متحد رکھتا ہے۔ قومی تعلیمی پالیسی (این ای پی) 2020 اس خیال پر زور دیتی ہے کہ بھارت کی کثیر لسانی نوعیت ایک بہت بڑا اثاثہ ہے جسے ملک کی سماجی، ثقافتی، اقتصادی اور تعلیمی ترقی کے لئے موثر طریقے سے استعمال کرنے کی ضرورت ہے۔ اس میں ہر سطح پر تعلیم میں کثیر لسانیت کو فروغ دینے کی سفارش کی گئی ہے تاکہ سیکھنے والوں کو اپنی زبان میں تعلیم حاصل کرنے کا موقع ملے۔ اس طرح تمام بھارتی زبانوں میں تدریسی مواد کی تخلیق اس کثیر لسانی اثاثے کو فروغ دے گی اور اسے 'وکست بھارت' میں بہتر حصہ ڈالنے کا موقع دے گی۔ یہ کہتا ہے کہ این ای پی 2020 کے مطابق ابتدائی گریڈ کے پرائمرز کو تیار کرنے کے لئے ایک جامع اور مکمل نقطہ نظر کی ضرورت ہے جو ہندوستان کے ہر خطے کی منفرد لسانی اور ثقافتی خصوصیات کو حل کرسکے۔ ان پرائمرز کا مقصد نہ صرف پڑھنے اور لکھنے میں زبان کی مہارت فراہم کرنا ہے بلکہ ابتدائی مرحلے کے سیکھنے والوں میں تخلیقی صلاحیتوں اور تنقیدی سوچ کو بھی فروغ دینا ہے۔ یہ کسی زبان کے حروف تہجی اور علامتوں کے حروف کو بیان کرنے ، پہچاننے ، سمجھنے کی کلید ہے۔ یہ بچوں کو ان حروف کے ایک یا ایک سے زیادہ سیٹوں کے معنی سے بھی واقف کراتا ہے جو ان کے امتزاج کے ذریعے بنائے جاتے ہیں جیسے لفظ کی ابتدائی ، درمیانی اور آخری پوزیشنوں میں حروف۔ اس کے علاوہ، یہ ایسی مثالیں فراہم کرتا ہے جو بعد میں متعارف کرائے گئے خطوط کو لکھنے کی مشق کو آسان بناتی ہیں۔ اور نظمیں طالب علموں کو ان کی زبان کی نشوونما اور علمی صلاحیتوں میں مدد کریں گی۔

प्रो. शैलेन्द्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संसथान

जुलाई 2024
मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Shina Primer Development Team

Guidance
Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors
Amarendra P. Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET), NCERT, New Delhi
Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Binay Pattanayak, Senior Researcher cum Chief Consultant, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru
Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Member Coordinator
Sujoy Sarkar, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru
Sanjaya Kumar Bag, Odia Lecturer, Eastern Regional Language Centre (ERLC), CIIL, Bhubaneswar

Resource Persons

Mohd. Shafi Sagar, Teacher, Govt. High School, Pandrass Drass, Kargil
Mohd. Raza Amjad, Teacher, High School, Karkit Budgam, Distt. Kargil
Zakir Hussain Khan, Teacher, Govt. High School, Hardass
Hilal Ahmad Dar, Junior Resource Person (JRP), Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru

Design Team
Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission (NTM), CIIL, Mysuru
Saravanan A S, Graphic Editor, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

پرائمر کو کیسے پڑھائیں

شنا ایک ہند آریائ داردی زبان ہے جو بھارت کے مختلف علاقوں میں بولی جاتی ہے ۔یہ ایک قدیم زبان ہے جس کے متعلق کئی ماہرین کا ماننا ہے کہ یہ سنسکرت زبان کی ہمعصر رہی ہے۔ یہ زبان خاص طور پر کارگل ضلع کے علاقہ دراس ، کرکت، چھانی گنڈ، کاکسر، ضلع بانڈی پورہ کے کنگن، داچھی گام سلر، ضلع رامبن کے کنفر چندرکوٹ، کپواڑہ کے مرسری گاؤں اور رکھ برا (ضلع اننت ناگ) ، ضلع بارہمولہ کے گاؤں کالگئ اور وادی تُلیل ،گریز میں بولی جاتی ہے۔ شنا زبان کا ایک منفرد ثقافتی اور لسانی ورثہ ہے جو اسے دیگر دردی زبانوں سے ممتاز بناتی ہے۔ اس زبان کے بولنے والے اپنی زبان اور ثقافت کو بہت اہمیت دیتے ہیں اور اسے نسل در نسل منتقل کرتے ہیں۔ چونکہ بھارت میں اس زبان پر قابل ذکر کام ہورہا ہے اس بناپر کہا جا سکتا ہے کہ اب اسے معدومی کا خطرہ نہیں ہے۔

قومی تعلیمی پالیسی ۲۰۲۰ اور قومی نصاب فریم ورک، ۲۰۲۲ میں تین سے آٹھ سال کی عمر کے بچوں کو ان کی مادری زبان، گھریلو زبان، مقامی زبان اور علاقائی زبان میں تعلیم فراہم کرنے کی اہمیت پر توجہ مرکوز کی گئی ہے۔ یہ پرائمر خاص طور پر بچوں کی زبانی زبان کی نشوونما کے لئے ڈیزائن اور تیار کیا گیا ہے اور اس بات کو یقینی بنانے کے لئے کہ بچہ بغیر کسی ہچکچاہٹ کے سمجھے ، سیکھے اور بات چیت کرسکے۔ بچوں کی زبانی زبان کی مہارت کو بڑھانے کے لئے، ہر انفرادی حروف کے اسباق میں دو سے تین جملوں پر مشتمل مختصر گانے یا نظمیں شامل کی گئی ہیں۔ اساتذہ ان گانوں یا نظموں کو اونچی آواز میں گا کر اور پڑھ کر بچوں کو بحث میں مشغول کرسکتے ہیں۔ تین زبانوں کے فارمولے کو ذہن میں رکھتے ہوئے ، اور ہندوستان لسانی طور پر متنوع ملک ہونے کی وجہ سے ، یہ پرائمر بچوں کو نہ صرف اپنی مادری زبان میں الفاظ سیکھنے میں مدد کرتا ہے بلکہ دوسری زبان سے بھی واقف ہوتا ہے۔

آواز کا تعارف: بچے تصویر دیکھنے کے بعد چیز کا نام بتائیں گے۔ استاد پوچھے گا، تصویر کا نام کس آواز سے شروع ہوتا ہے؟ ۔ مثال کے طور پر شنا میں ’ای‘ کا لفظ کیا ہے؟ ‘ای’ کی تصویر دیکھنے کے بعد ، بچے پہچانیں گے کہ یہ آواز’ا‘ سے شروع ہوتا ہے۔

حروف تہجی کا تعارف: استاد سب سے پہلے بچوں کو بتائے گا کہ حروف تہجی ’ا‘ کیسا نظر آتا ہے۔ ایک بچے سے کہا جائے گا کہ وہ کچھ دیئے گئے الفاظ سے حرف ’ا‘ کی شناخت کرے۔ تین چار الفاظ میں سے بچے حرف ’ا‘ کی آواز کا تلفظ کریں گے اور حرف ’ا‘ لکھنے کی مشق کریں گے۔

پڑھنا: بچے تصاویر دیکھیں گے اور اپنی زبان میں الفاظ کہیں گے۔ حروف ’ا‘ کے تعارف میں بچے اپنی انگلیوں کو دائیں سے بائیں طرف منتقل کرکے ‘ای’ پڑھیں گے۔ دوسرے الفاظ کو پڑھنے سے ، خاص طور پر وہ الفاظ جہاں ’ا‘ ہوتا ہے ، بچے ’ا‘ کو پہچانیں گے اور اس کا تلفظ کریں گے۔ استاد لفظ کے آغاز، وسط اور آخر میں ایک خط کے وقوع کے بارے میں بتائے گا۔ بلیک بورڈ پر ’ا‘ پڑھنے کے دوران استاد لفظ ’ای‘ کے ساتھ تین چار دیگر الفاظ بھی لکھے گا اور وہ بچوں کو ایک ایک کرکے پکارے گا۔بچوں کو حروف تہجی، الفاظ اور آوازوں کو متعارف کرانے کے لئے، پرائمر ان الفاظ کو استعمال کرنے کی کوشش کرتا ہے، جو بچوں سے واقف ہیں. بچے کتاب میں موجود تصاویر کو دیکھ کر ان الفاظ کو پہچان سکے گے. بچے اس پرائمر کو اپنی زبان میں پڑھنے میں آسانی محسوس کریں گے۔ استاد ایک لفظ لکھے گا اور بچوں سے کہے گا کہ وہ اس کے ہر حرف کو الگ الگ پڑھیں، اور حروف کو جوڑ کر بھی اس لفظ کو پڑھیں۔ جب کوئی بچہ کوئی لفظ پڑھتا ہے تو دوسرے بچے اس کے ساتھ شامل ہوتے ہیں اور اس لفظ کو دہراتے ہیں، اسے اجتماعی مطالعہ کہا جاتا ہے۔

تحریر: اساتذہ سب سے پہلے بچوں کو لفظ’ای‘ کا ’ا‘ لکھنا سکھائیں گے۔ استاد دکھائے گا کہ لکھنے کے لئے قلم کو دائیں سے بائیں طرف کیسے منتقل کیا جائے۔ اسے معاون تحریر کہا جاتا ہے۔ اس کے بعد بچے کتاب میں دی گئی خالی جگہ میں دوسرے حروف کو دیکھ کر خود ’ا‘ لکھیں گے۔ اساتذہ بچوں کی مدد کریں گے جب وہ پڑھ رہے ہیں اور لکھ رہے ہیں۔

بچوں کی زبانی زبان کی نشوونما کے لیے ہر صفحے پردو تین جملوں کی چھوٹی چھوٹی نظمیں لکھی گئی ہیں۔ استاد اسے گا کر اور پڑھ کر بچوں کو دہرانے کے لیۓ بولیں گے۔ اسکول کی لائبریری میں دستیاب بچوں کی کہانی کی کتاب پڑھنے کے بعد ٹیچر بچوں کی زبان میں کہانی پر تبادلہ خیال کریں گے۔ یاد رکھیں کہ بچوں کو ان کی مادری زبان میں کہانیاں اور نظمیں سنانی چاہئیں۔

مندرجہ ذیل لائنوں کو دیکھیں اور دی گئی جگہوں میں کھینچنے کی کوشش کریں :

کھڑی لکیر :

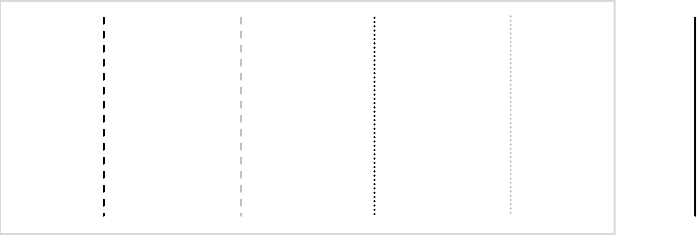

افقی لکیر :

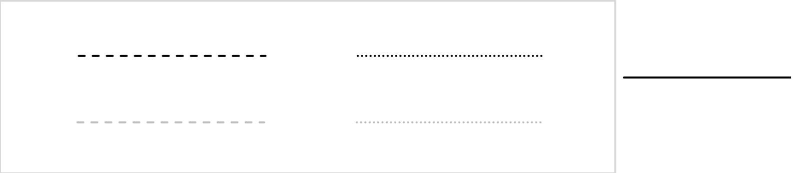

ٹیڑھی لکیر ۱ :

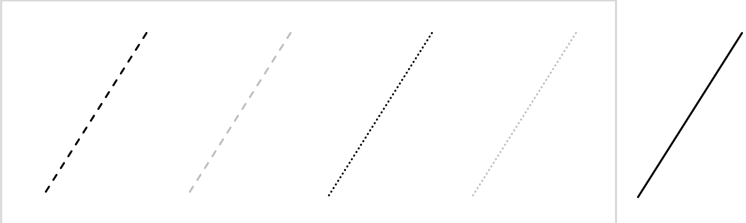

ٹیڑھی لکیر ۲ :

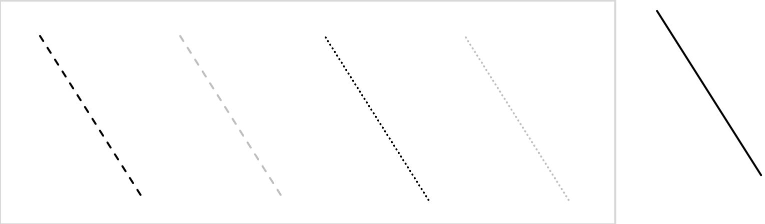

منحنی لکیر ۱ :

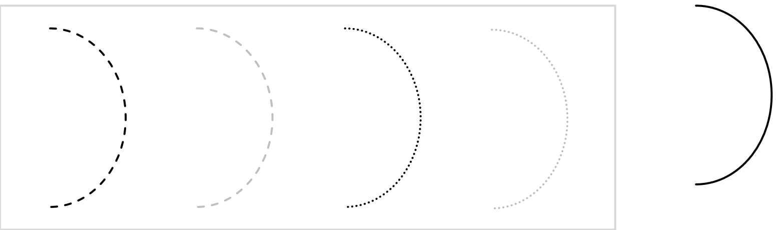

منحنی لکیر ۲ :

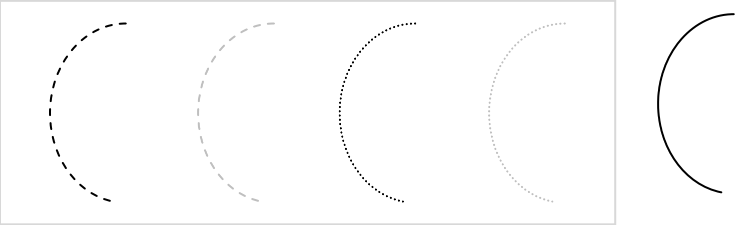

نوٹ: استاد یہ سکھائے گا کہ قلم کو کیسے پکڑا جائے اور فراہم کردہ جگہوں میں لکیریں کھینچی جائیں-

حروفِ تہجی

ا	ب	پ	ت	ٹ	ث
ج	چ	چ	څ	ح	خ
د	ڈ	ذ	ر	ڑ	ز
ژ	ژ	س	ش	ش	ص
ض	ط	ظ	ع	غ	ف
ق	ک	گ	ل	م	ن
ڻ	ں	و	ہ	ی	ے

اضافی حروف

پھ	تھ	ٹھ	څھ	چھ
چھ	کھ			

حرکات

◌َ	◌ٓ	◌ِ	◌ُ	◌ٗ
◌ٚ	◌ٛ	◌٘	◌ُٔ	

ا

ائ

بکری

ایو دُت مِشٹو۔
پھَو نے تھےوَ دُشٹو۔

	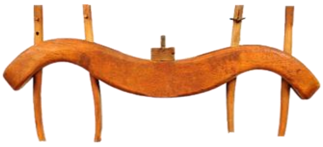	
ایْش	نال	چڑا
بھیڑ	بیلوں کا جوا	مکڑی

ا	ا	ا	

ب

بیَں

پیڑ

بیانّو پٹے نیلے
ووی نے بو شُشیلے

بوٗٹ	ژبی	یب
جوتا	لکڑی کا بیلچہ	نہر

ب ب ب

پ

پلو

سیب

پلے کھا پلے کھا
دیزو اِک اِک کلے کھا

پٹوٚ	څپی	انٚشپ
پتا	چپل	گھوڑا

پ پ پ

ت

تارےٚ

ستارے

اَجہ انّگای جَہ تارے دُو
گُومو چھیچوجَہ کھارے دُو

ترُئ	چھتی	ہت
بانسری	چھوٹی بکری	ہاتھ

ت ت ت

ٹ

ٹوکو

مٹکا

ٹوکے جَہ اَڑو دُت ہنو
دُودا جَہ جُولی پھُت ہنو

ٹال	پھٹور	بٹ
ڈھیر	خوبانی	پتھر

ٹ ٹ ٹ

ث

ثمر

پھل

ثھگے جَہ ثمرہَوں پچی
رچھالو ہَوں در رچھی

ث	ث	ث	
ث	ث	ث	
ث	ث	ث	

ج

جوٚن

سانپ

جون پشی رجے رے نے بِجے
کِٹو چڑوُے رے نے بِجے

	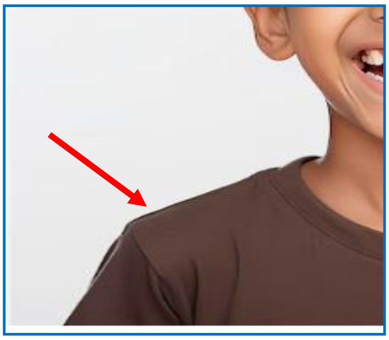	
جوروٹے	پھِجو	تآج
کچا خوبانی	کندھا	تاج

ج ج ج

چ

چئُی

چڑیا

بٹہ جَہ اَجہ چائیک ہَیں
ہُویئ مُکھہ جا دائیک ہَیں

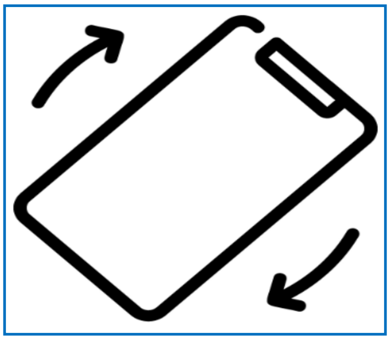

چونٹل	پچے	برچ
ریوند چینی	سوکھی ٹہنیاں	ترچھا

چ چ چ

چ

چکُو

تکلہ

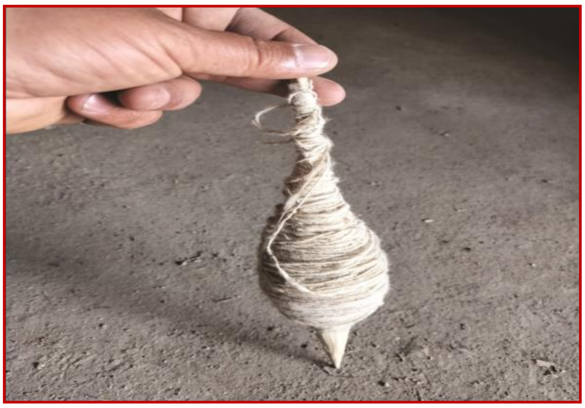

ایر کُرو او چٹ
چکوچکو پش کٹ

چوش	مچوچو	گُوچ
جولاہا	غبارہ	کچن

چ چ چ

څ

څلینی

شلوار

څلینی نوشیک چھال بِل
بَی کھیک بال بِل

څزر	څُڅئی	اُڅ
چادر	چونچ	چشمہ

څ څ څ

ح

حوقہ

ڈبہ

حوقہ اَڑو پھُو دے
پھُوو گورے دُو دے

حوض	محل	ملاح
گھڑا	محل	ناو چلانے والا

ح ح ح

خ

خورمہ

کھجور

خورمہ دے وہ بابو
مو ہونّس تھو شُراٹو

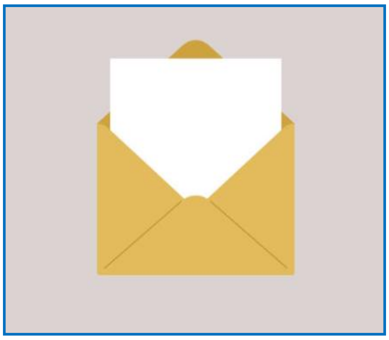

خت	خربوز	بطخ
خط	خربوزه	بطخ

خ خ خ

د

دٹو

انار

لوی دٹے رے نے پھون تو
تھُو چُرکو تُھو۔

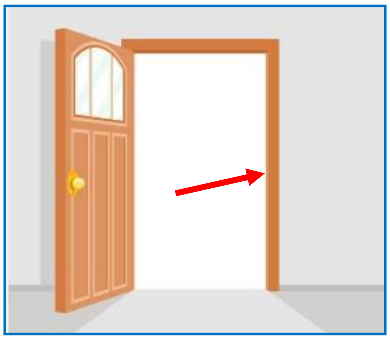

در	شدی	دربَٹی
دروازہ	بندر	چوکھٹ

د د د

ڈ

ڈن٘گو

پُل

ڈن٘گو نوش وہ بابو
سِن پاری کیے پھیم
ڈا تھے ڈاتھے
مُسو بیلے نے تھیم

ڈڈن٘گ	ڈڈیر	ڈوری٘
ڈھول	پتھریلا	کرچی

ڈ ڈ ڈ

ذ

ذوٛا

لکڑی کا برتن

ذوٛا گی اِک دُت اَریم
مُس اَی کیے کریٹیم

ذویں	اَذُک	رونٚذ
زومبا	پوری	ہرن

ذ ذ ذ

ر

را

راجہ

را گہ روٹِي سے جوک کھونا
بریوں ٹکورو گہ ٹُکُری سے جوک کھونا۔

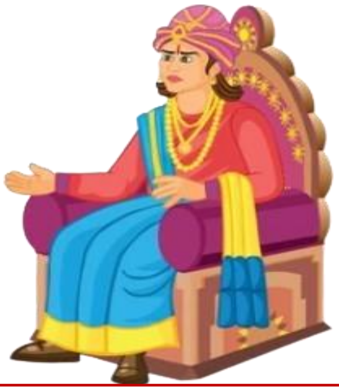

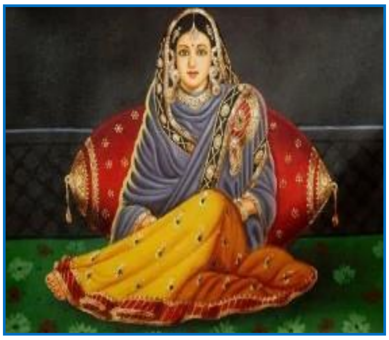		
روٹی	مروش	سوور
رانی	شہتوت	یخ

ر	ر	ر	

ڑ

پھڑارو

گنجہ

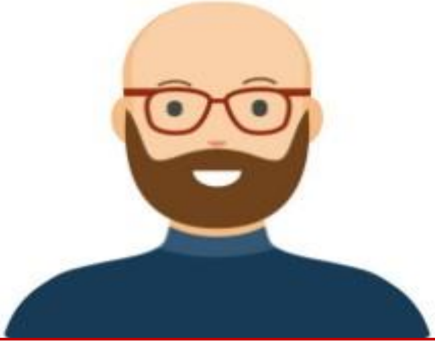

پھڑاریئ تالی جَم
کھوکُوٹو کویے کرم

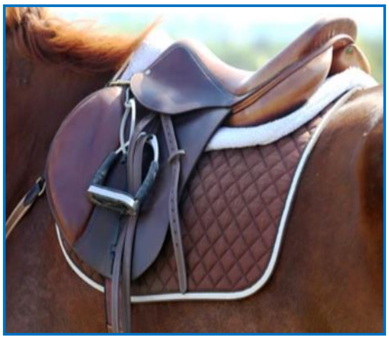

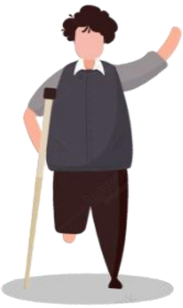

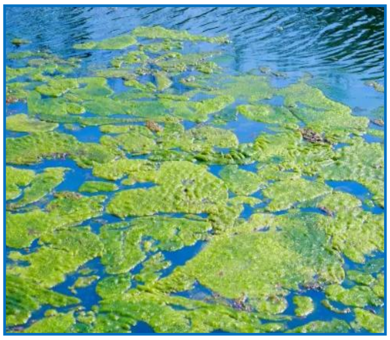

گڑونٛگ	کھُڑو	کھڑک
کاٹھی	لنگڑا	کائی

ڑ ڑ ڑ

ز

زری

ریشم

ٹُرے زریلے چھیلی اَریم
سوݨ گہ رُوپ گی ٹُو یُپیم

زومو	مزی	کھازوٚ
زومبی	مہندی	کٹورا

ز ز ز

ژ

اژدھار

اژدھا

میک دُلِیلی بڑو اژار
جوٚن دُلیلی اژدھار

ژ ژ

ژ ژ

ٹیلی ویژن

ٹیلی ویژن

ژ ژ ژ

ڙ

ڙکُڻ

گدھا

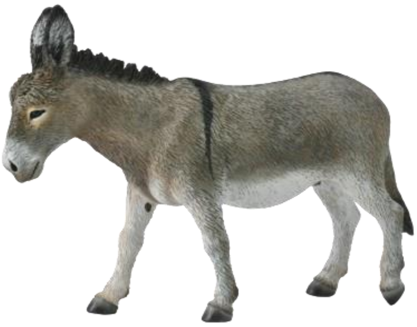

ڙکُڻیئ شِری نے کرمیش
تویں گہِ مُشا نے کلیش

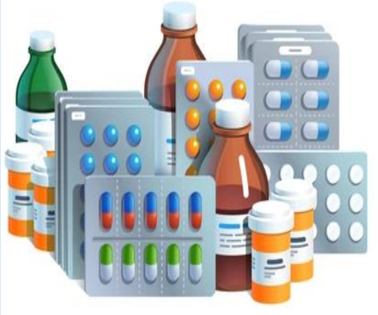

ڙباڻی	اَڙو	جوڙِ
دوائی	بارش	بھوج پتر

ڙ ڙ ڙ

س

سو٘

سوئی

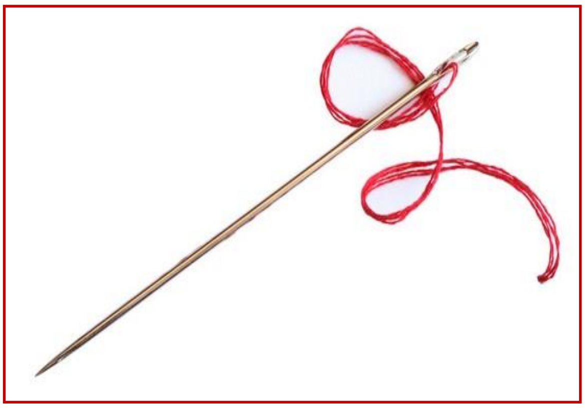

سو٘ گی چھِلے کھوی سی
کھوی نُش تو بوی سی

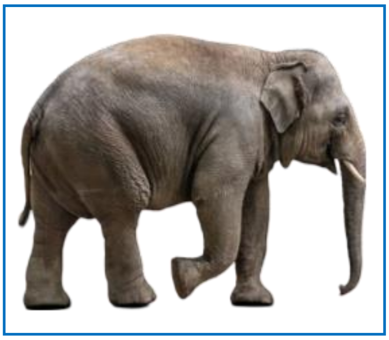

سونڑ	ہستو	تِریس
سونا	ہاتھی	مویشی

س س س

ش

شاکو

بازو

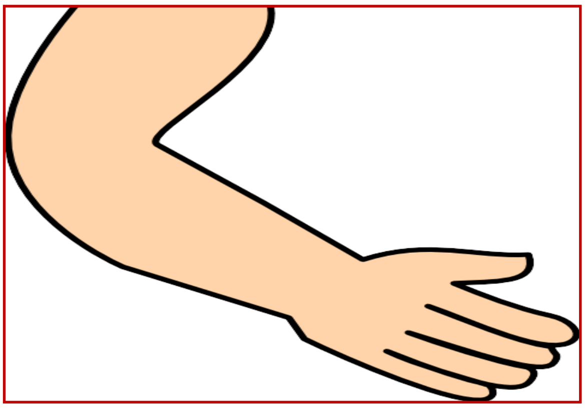

شُکے شاکے نے کھلیا۔
کُئی گہ گرومی نے نیا۔

شٹی	پشو	مرُش
کیاری	بلی	مرچ

ش ش ش

ش

شاکے

پھندا

شاکے وی تَہ چَییٔ رٹاس
گوڑے بییٔ پھُولی پھوٹاس

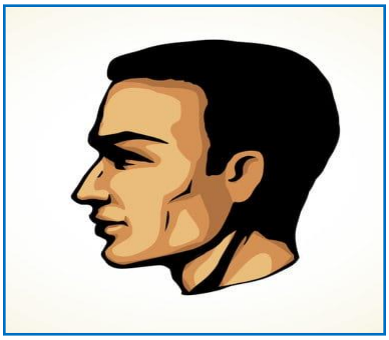

شیش	پشو	پَش
سر	پگڑی	اون

ش ش ش

ص

صابون

صابن

ہتی گہ پے صابون گی دوئی
نُش کُٹو جا چوریے چوئی

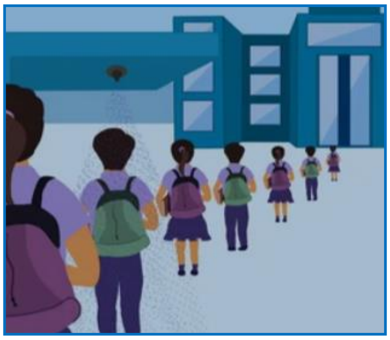

صندؤک	صراہی	صف
صندوق	صراحی	قطار

ص ص ص

ض

ضئیف

ضعیف

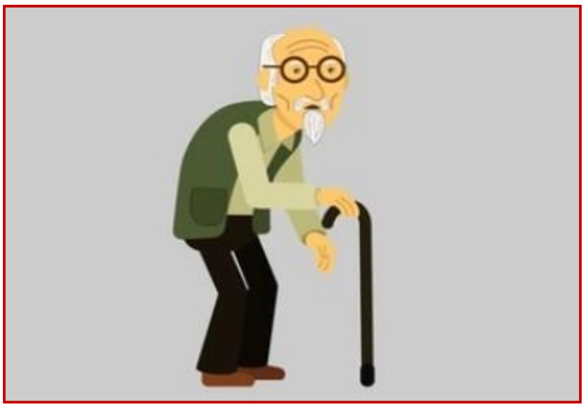

ضئیف دادے رے ہَت پَلے
پھائیں لیچو رےست پَلے

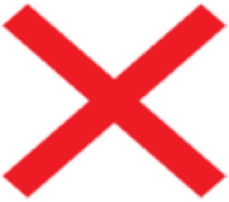		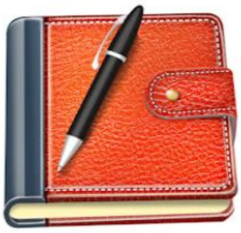
ضرب	رضئی	بیاض
ضرب	رضائی	ڈائری

ض ض ض

ط

طبق

تھالی

مورے بریوں طبق دے
توم دِجارورے سبق دے

	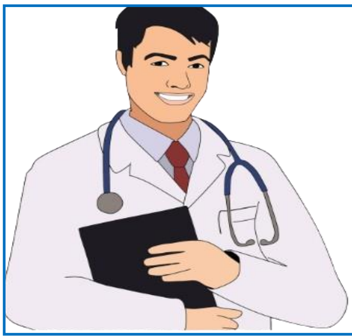	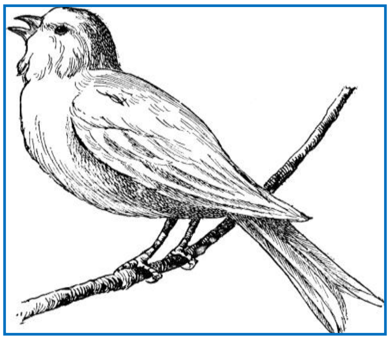
طوطہ	طبیب	طائر
طوطا	ڈاکٹر	پرندہ

ط ط ط

ظ

ظروف

برتن

ظروف رے بوݨ تھیناں
نیلے توٚموٚ رے سوݨ تھینا

ظ	ظ	ظ	
ظ	ظ	ظ	
ظ	ظ	ظ	

علَم

جھنڈا

ع

ہِتو جَہِ تُس عَلم گِٹی
سِچ جَلے قلم گِٹی

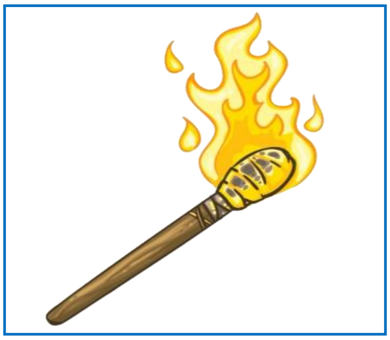

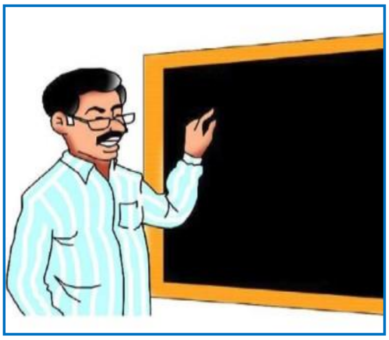

عطر	معلم	مشعل
خوشبو	اُستاد	دیپ

ع ع ع

غ

غولیل

غلیل

اُردے جَہ غولیل تھینا
شینا جَہ تھرموک سِچا

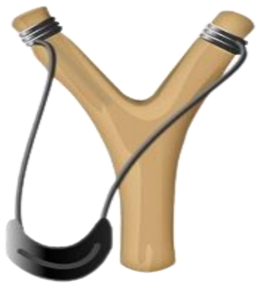

غزالہ	بغیچہ	داغ
ہرن کا بچہ	چھوٹا باغ	نشان

غ	غ	غ	

ف

فرن

پھرن

یونو بیس فرن بونون
کنگٹیے جَہ پھُو اَرون

	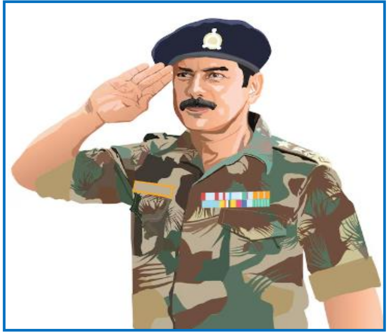	
فراک	فوجہِ	دف
پوشاک	فوجی	ڈفلی

ف ف ف

ق

قصر

قلعہ

کوٹ گہ قصر نومی بِل
اَسیئ شِٹاپروٹی بِل

قالی	لقمہ	عرق
قالین	نوالہ	رَس

ق ق ق

ک

کورٚی

جوتی

پیؤج بٹھئی کوری
بوٹہ جہ اچئی ڈوری

کاٹے	ٹِکی	مٹووک
لکڑی	روٹی	مینڈک

ک ک ک

گ

گاو

گائے

دُت ديئ گويِي پرشٽ سيئ
کھچو بڅيئ اُنيار چھيئ

گُلو	مُگُر	ديگ
ڈنڈا	بکرا	ديغ

گ گ گ

ل

لوشی

جھاڑو

لوشی گِݨی شر تھے
چھوم چھکاش ہر تھے

لش	ہَلول	جیل
بھیڑبکریاں	گھونسلہ	جنگل

ل ل ل

م

ملَی

لڑکی

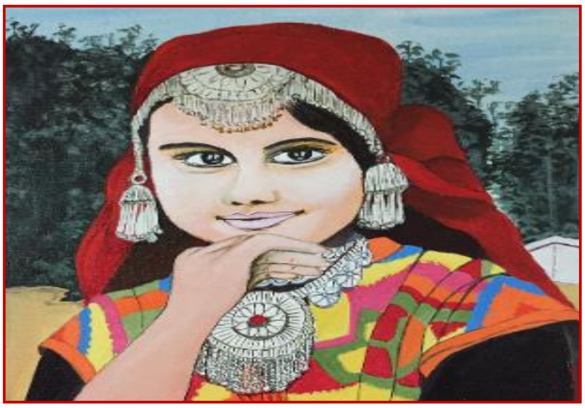

مُلَی تُو جِبالی
اجے بَبو شراٹی

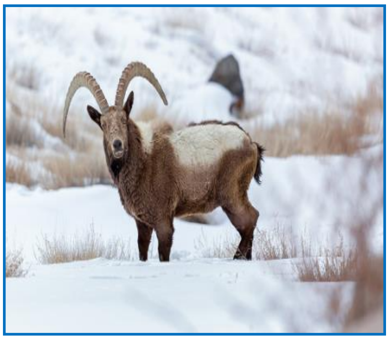

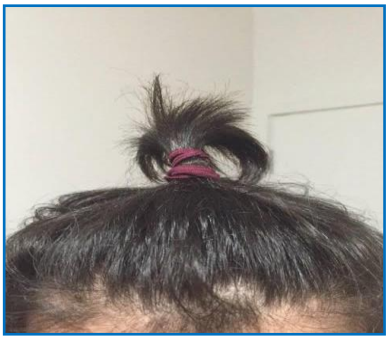

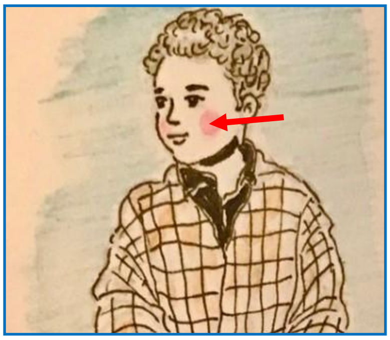

میارو	چموٹو	ہرام
پہاڑی بکرا	چوٹی	گال

م م م

ن

نوتوٚ

ناک

شاں گِٹیونی نوتو ہَوں
شِشہ اَجَہ موتو ہَوں

نوری	اُنو	دون
ناخن	تکیہ	دانت

ن ن ن

ں

دیں

چیتا

دِیں پشو مول بِل
دُت نے لیجی ہول بِل

کریں	کارَئیں	بیں
کیڑا	ٹوکری	بیج

ں	ں	ں	

ڻ

ٹُھونڻ

ستون

بَبو گوڑئی ٹُھونڻ بِل
بہشت اَجیئ مُونڻ بِل

کوڻ	اڻَو	گوڻ
کان	دودھ	گِرہ

ڻ ڻ ڻ

و

وڻ

کدو

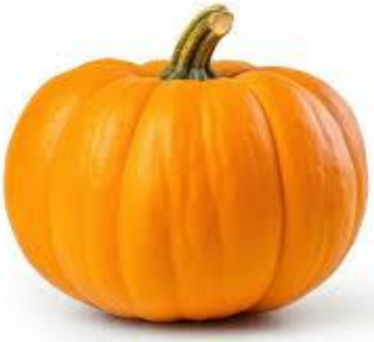

وڻو شاان٘گاو ہَوں
لِکیک تھیم کناو ہَوں

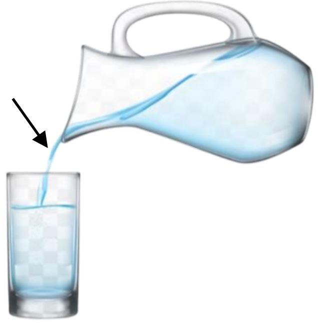

ووی	سوٚری	باو
پانی	سورج	برتن

و و و

ہ

ہروش

پنج شاخہ

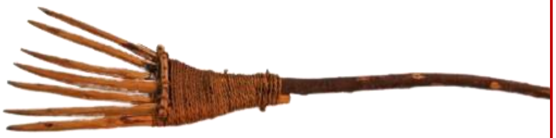

ہروش تُسےلا اوشے
مو بِجیموس ما نوشے

ہرکوڻ	گھُورا	گہ
زیور	جھولا	نالہ

ہ ہ ہ

ی

یونٚش

چکی

ستو پشی یونٚڑی نے بو
ووی پشی وگیول نے بو۔

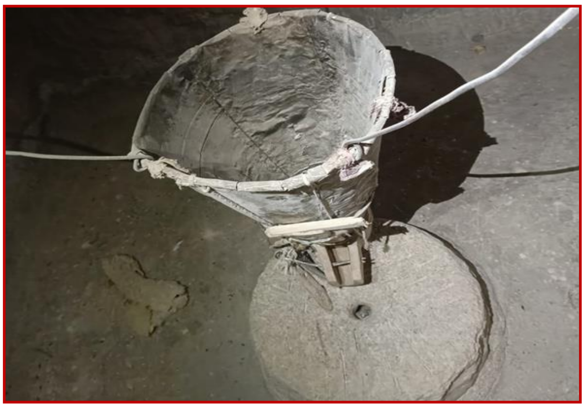

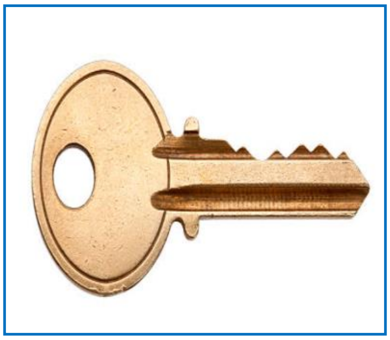

یم	ایل	چھای
شیر	کول	چابی

ی ی ی

ے

اچھے

اخروٹ

بال مُلائے، اچھے کھا
بَی گہ ٹِکی چَپے کھا

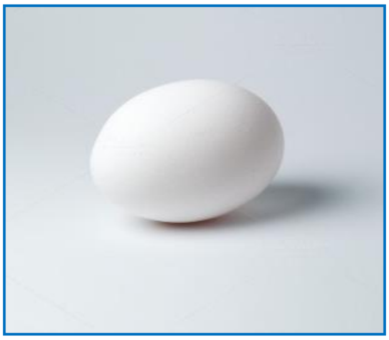

ہٹے

انڈا

کھٹےٚ

ڈھکن

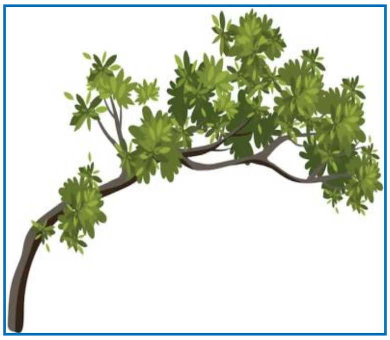

بکےٚ

شاخیں

ے ے ے

پھ

پھٹوئ

تتلی

ہوری بَبی کشیری پھٹوئ
پَلے پکے دا جُوڑی پکے

		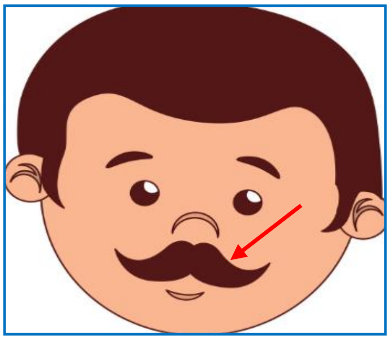
پھمُل	بپھُور	پھون٘گے
خشک میوہ	پنکھ	مونچھیں

پھ	پھ	پھ	

تھ

تھوریٚ

ایڑھی

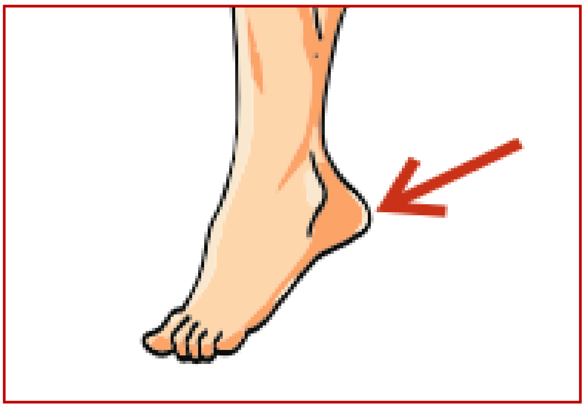

پیوو پتو تھوریٚ ہَیں
بَٹہ جو گہ کُری ہَیں

تھرٛاکے	بتھارے	تُھوروٗٹہِ
کھنڈر	بچھونا	چونچ

تھ تھ تھ

ٹھ

ٹھوپ

ہاکی سٹِک

ٹھوپ تُہ ٹیرو
ہْوکُر جیلو

	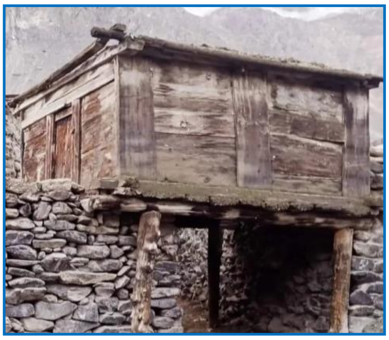	
ٹھوکہِ	گُٹھل	لُٹھوری
گیند	لکڑی کا کمرہ	اون کا گالا

ٹھ ٹھ ٹھ

ثھ

ثھگو

باغ

ثھگے جَہ رونٚگ رونٚگو تومے پشالوس
رچھالو بوئی پُشی رچھیم گُنالوس

ثھٹے	بثھر	بثھو
جونیپر کی شاخیں	بچھڑا	چمڑے کی اوڑھنی

ثھ ثھ ثھ

چھ

چھر

جھرنا

اژو وزی سر دُلیٚلو
سور بُلیجی چھر دُلیٚلو

چھیچ

کھیت

اَچھی

آنکھ

اِچھ

بھالو

چھ چھ چھ

چھ

چھاش

کانٹے دار جھاڑی

چھاشو کوٹے جُو رچھا۔
چایو ہلول نے پھوٹیا۔

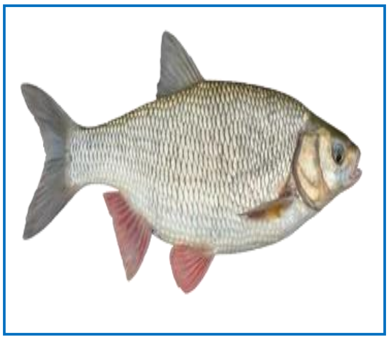

چِھمو	مَچھاری	چھیش
مچھلی	مدھو مکھی	چوٹی

چھ چھ چھ

کھ

کھرکاش

میگ پائی پرندہ

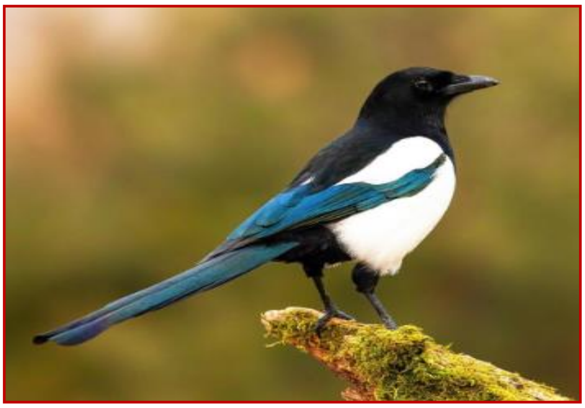

کھرکاشئی کھش سُپالی
کِٹوکوانّریئ کا اَپالی

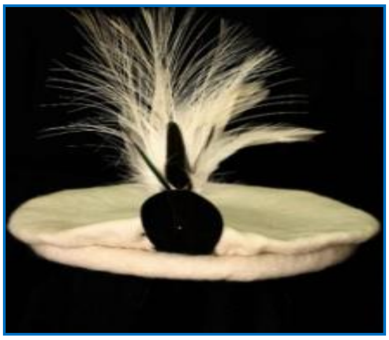

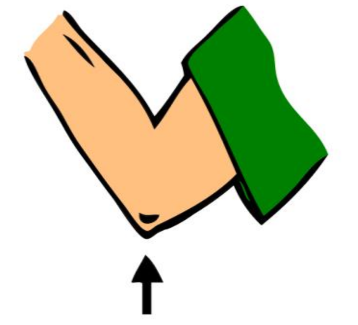

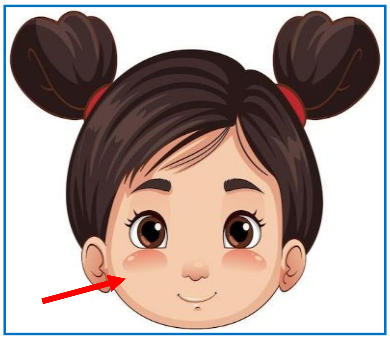

کھوی	بکھوٹہِ	مُکھ
ٹوپی	کہنی	چہرہ

کھ کھ کھ

حرکات	مثال	مثال
◌َ	کَکخ	بَروڻ
	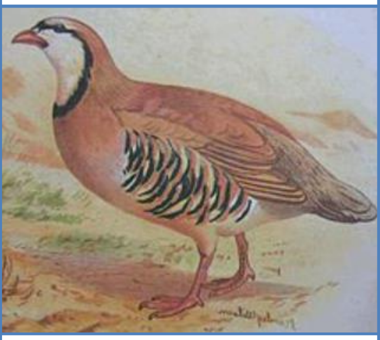	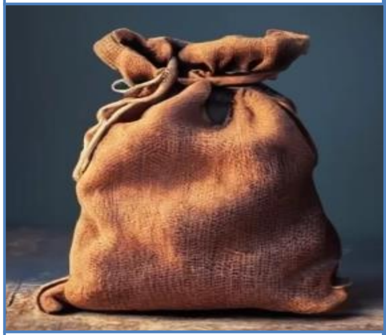
آ	آٹٚے	آںٚزو
	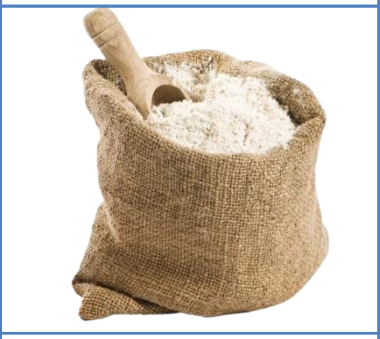	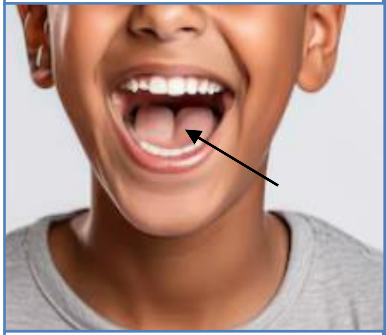
◌ِ	بِری	جِپ
	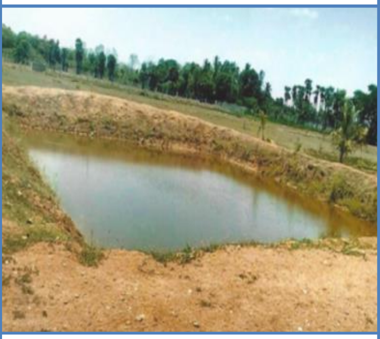	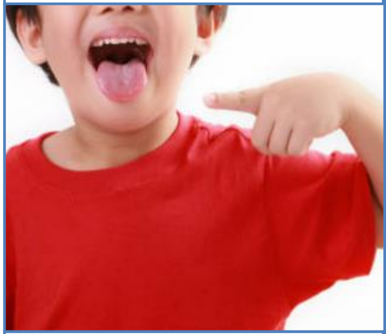
◌ُ	کُوتو	مُولے
	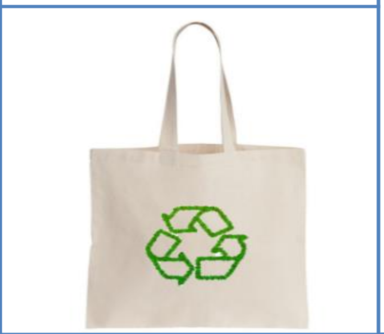	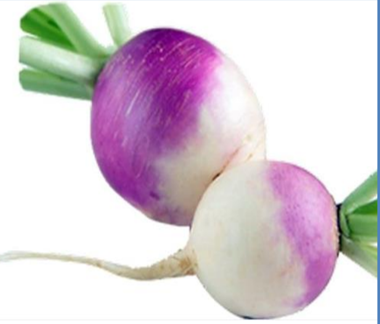

حركات	مثال	مثال
◌ٙ	كُروٙ 	گوٙم
◌ٚ	نیلوٚ 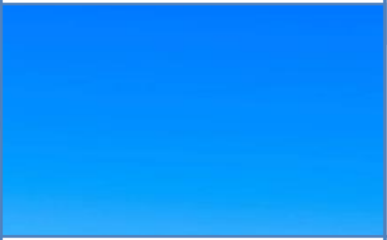	مِٹوٚ
◌ٛ	ترٛی 	كرٛو 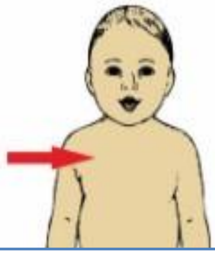
◌٘	كون٘گو 	كوان٘رو
◌ٔ	مكئ 	سلئ

نمبر	شنا	اردو	
1	اِک	ایک	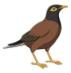
2	دُو	دو	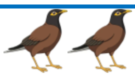
3	چے	تین	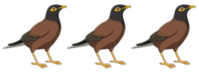
4	چار	چار	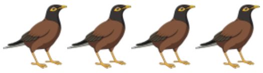
5	پون٘ش	پانچ	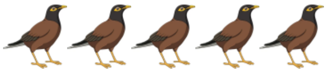
6	شہ	چھے	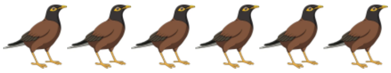
7	سَت	سات	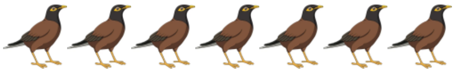
8	ان٘شٹ	آٹھ	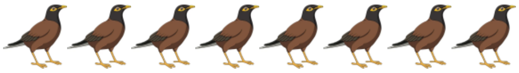
9	نَو	نو	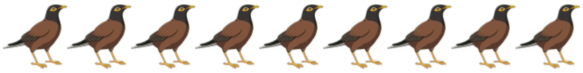
10	دَی	دس	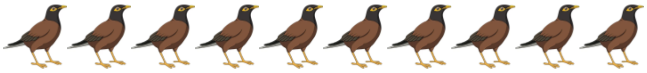
11	اکائ	گیارہ	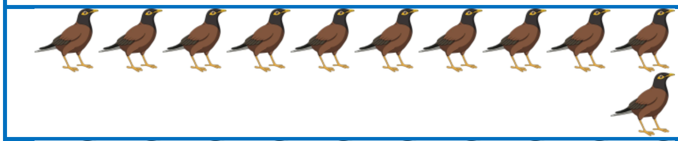
12	بوائ	بارہ	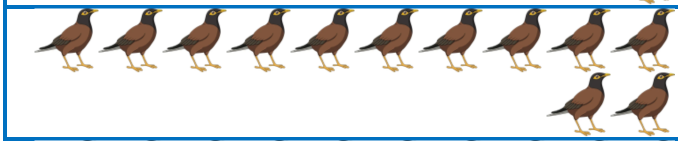
13	چویں	تیرا	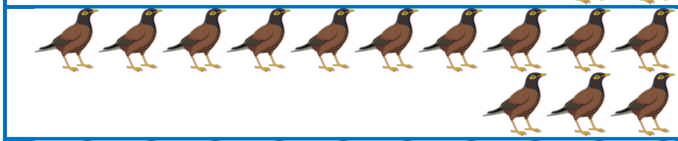
14	چودَیں	چودہ	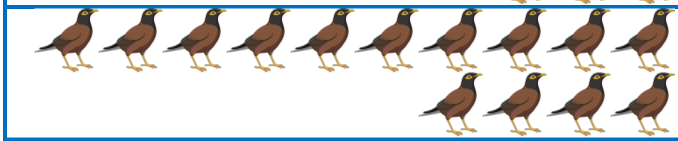

نمبر	شنا	اردو	
15	پزیلَیں	پندرہ	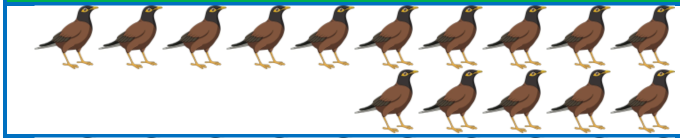
16	شویں	سولہ	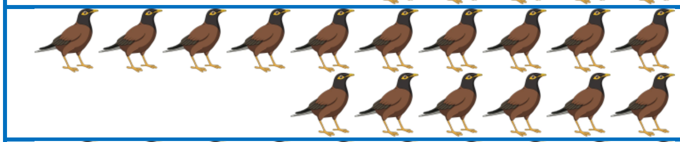
17	ستائ	سترہ	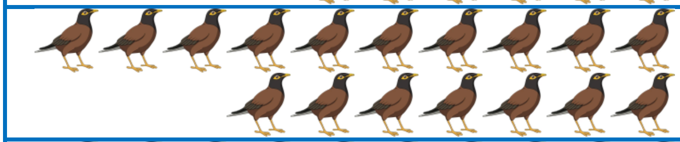
18	انٚشٹائ	اٹھرہ	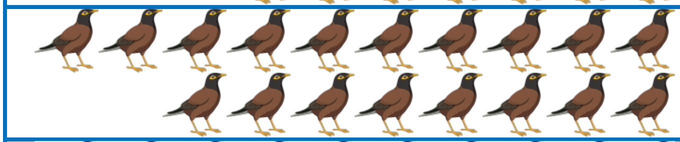
19	کُنی	اُنیس	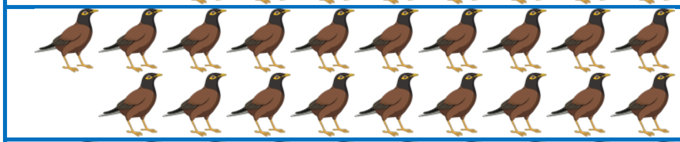
20	بی	بیس	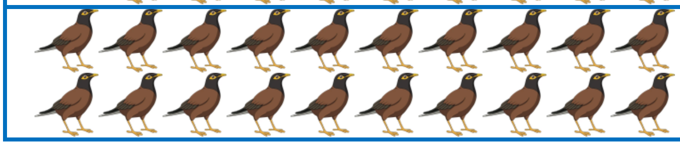

1	**1**	**1**	**1**	
2	**2**	**2**	**2**	
3	**3**	**3**	**3**	
4	**4**	**4**	**4**	
5	**5**	**5**	**5**	
6	**6**	**6**	**6**	
7	**7**	**7**	**7**	
8	**8**	**8**	**8**	
9	**9**	**9**	**9**	
10	**10**	**10**	**10**	

11	11	11	11	
12	12	12	12	
13	13	13	13	
14	14	14	14	
15	15	15	15	
16	16	16	16	
17	17	17	17	
18	18	18	18	
19	19	19	19	
20	20	20	20	

اردو حروف تہجی

ا	ب	پ	ت	ٹ
ث	ج	چ	ح	خ
د	ڈ	ذ	ر	ڑ
ز	ژ	س	ش	ص
ض	ط	ظ	ع	غ
ف	ق	ک	گ	ل
م	ن	و	ہ	ء
ھ	ی	ے		

حرکات

◌َ	آ	◌ُ	◌ٗ	◌ِ

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

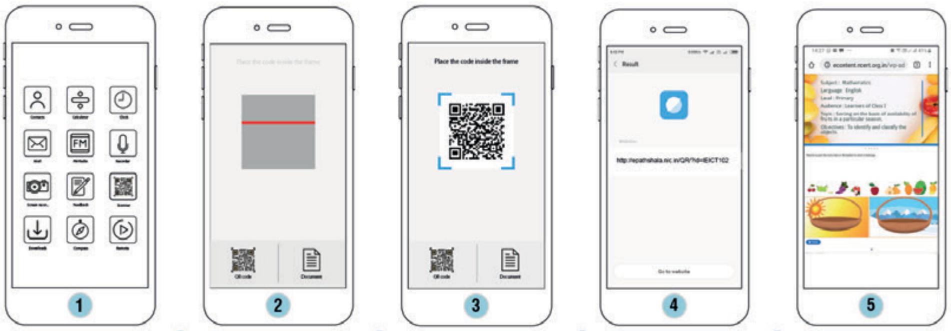

1. Install ePathshala Scanner app from Play Store and open
2. Get ready with QR code scanning window
3. Place scanner above the QR code
4. Select and click on the link
5. Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA**

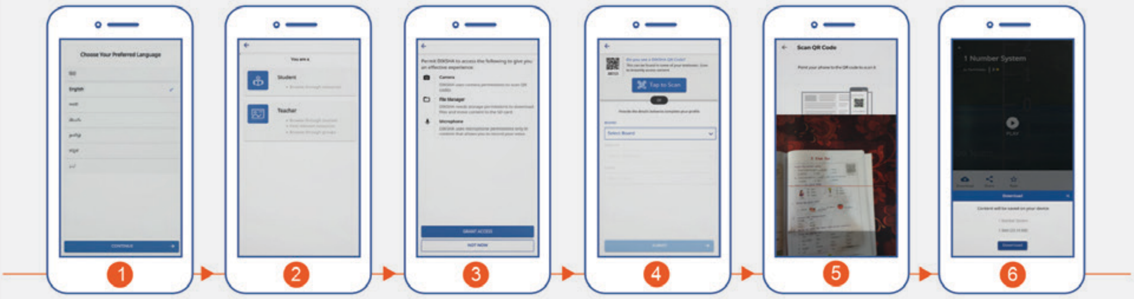

1. Select preferred language
2. Choose your role: Student or Teacher
3. Grant access and allow app permissions
4. Tap to scan the QR code
5. Focus camera on the QR code in textbook
6. Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language
1	ANAL
2	ANGAMI
3	AO
4	ASSAMESE
5	BHUTIA
6	BODO
7	DEORI
8	DESIA
9	DIMASA
10	GADABA (GUTOB)
11	GARO

SN	Language
12	HALABI (HALBI)
13	HMAR
14	JATAPU (KUVI)
15	JUANG
16	KABUI (RONGMEI)
17	KARBI
18	KHANDESHI
19	KHARIA
20	KINNAURI
21	KISAN (KUNHU)
22	KODAVA (COORGI/KODAGU)

SN	Language
23	KONDA
24	KORKU
25	KOYA
26	KUI
27	KUKI
28	KURUKH/ORAON
29	KUWI
30	KUZHALE (KHEZHA)
31	LIANGMAI
32	LIMBU
33	LOTHA

SN	Language
34	MANIPURI
35	MAO
36	MISHMI
37	MISING
38	MIZO
39	MOGH
40	MUNDARI
41	NEPALI
42	NYISHI (NISSI)
43	RAI
44	SANTALI (ODISHA)

SN	Language
45	SANTALI (WEST BENGAL)
46	SAVARA (SORA)
47	SHERPA
48	SÜMI (SEMA)
49	TAMANG
50	TANGKHUL
51	TANGSA
52	TIWA (LALUNG)
53	TULU
54	WANCHO

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language
55	ADI
56	BHUMIJ
57	CHANG
58	GONDI
59	HALAM

SN	Language
60	HO
61	KHIAMNIUNGAN
62	KOCH
63	KODA (KORA)
64	KOLAMI

SN	Language
65	KOM
66	KONYAK
67	LADAKHI
68	LEPCHA
69	MARA (LAKHER)

SN	Language
70	MARAM
71	NOCTE
72	PASHTO
73	POCHURY
74	RABHA

SN	Language
75	RENGMA
76	SHINA
77	TAMIL
78	TIBETAN
79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMER DEVELOPMENT IN PROGRESS (45)

SN	Language
80	ARABIC/ARBI
81	BALTI
82	BENGALI
83	BHILI/BHILODI
84	BISHNUPURIYA (BISHNUPRIYA MANIPURI)
85	CHAKHESANG
86	CHOKRI
87	DOGRI
88	GANGTE

SN	Language
89	GUJARATI
90	HINDI
91	KANNADA
92	KASHMIRI
93	KHASI
94	KHOND/KONDH
95	KOKBOROK (TRIPURI)
96	KONKANI
97	KORWA

SN	Language
98	LAHAULI
99	LAHNDA
100	LAI (PAWI)
101	MAITHILI
102	MALAYALAM
103	MALTO
104	MARATHI
105	MARING
106	MONPA

SN	Language
107	MUNDA
108	NICOBARESE
109	ODIA
110	PAITE
111	PARJI
112	PHOM
113	PUNJABI
114	SANGTAM
115	SANSKRIT

SN	Language
116	SANTALI (JHARKHAND)
117	SINDHI
118	TELUGU
119	THADOU
120	URDU
121	VAIPHEI
122	ZELIANG
123	ZEME (ZEMI)
124	ZOU

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
☎ 0821 2515820 (Director) / ✉ ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
☎ 011 2696 2580 / ✉ dceta.ncert@nic.in